



" SC /ST /OBC /G समूह के छात्र छात्राओं की सांवेगिक परिपक्वता एवं निराशा सहनशीलता का तुलनात्मक अध्ययन"

डॉ अवंतिका कौशिल

सहायक प्राध्यापक मनोविज्ञान

शासकीय ई.वी.पी.जी. महाविद्यालय कोरबा छत्तीसगढ़

संक्षेपिका

प्रस्तुत शोध का उद्देश्य SC/ST/OBC/G समूह के छात्र/छात्राओं की सांवेगिक परिपक्वता एवं निराशा सहनशीलता का तुलनात्मक अध्ययन करना है। अध्ययन हेतु कोरबा जिले के विभिन्न स्कूलों से हाईस्कूल के SC/ST/OBC/G समूह के छात्र-छात्राओं को रैंडम लिया जिनकी उम्र 15 से 17 वर्ष थी,। सांवेगिक परिपक्वता मापनी हेतु डॉ. यशवीर सिंह एवं डॉ महेश भार्गव द्वारा निर्मित स्केल तथा निराशा सहनशीलता के मापन हेतु एस. एन. राय की मापनी का उपयोग किया। परिणामों, प्रदत्त विश्लेषण हेतु t परीक्षण ANOVA एवं सह संबंध का उपयोग किया। छात्र एवं छात्राओं के सांवेगिक परिपक्वता में कोई अंतर नहीं होता है। छात्र एवं छात्राओं की निराशा सहनशीलता में कोई अंतर नहीं होता है। छात्र और छात्राओं की सांवेगिक परिपक्वता और निराशा सहनशीलता के बीच सह संबंध होता है। ये परिणाम प्राप्त हुए।

Keyword- सांवेगिक परिपक्वता, निराशा सहनशीलता, युवा, ST, SC, OBC, GENERAL

प्रस्तावना:-

सांवेगिक परिपक्वता व्यक्तित्व को प्रभावित करने वाला न केवल एक प्रभावकारी निर्धारक है अपितु यह युवाओं के विकास को भी नियंत्रित करते वाला एक प्रभावी कारक है। परिपक्वता शब्द व्यक्ति के सांवेगिक व्यवहार की दक्षता का परिचायक है। सांवेगिक व्यवहार सांवेगिक विकास का ही परिणाम होता है। जहाँ एक ओर सांवेगिक अपरिपक्व व्यक्ति अपने संवेगों को नियंत्रित करता है, आत्मग्लानि में रखता है उसे बचपना भी कहते हैं जबकि इसके विपरीत एक सांवेगिक परिपक्व व्यक्ति में निराशा के एक सामान्य स्तर की सहनशीलता होती है, अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु इंतजार करने का धैर्य होता है। उसे स्थिति के अनुसार आकांक्षा पूर्ति की लंबी योजनाओं पर, अपनी क्षमताओं पर पूर्ण विश्वास होता है। सांवेगिक परिपक्व व्यक्ति स्वयं के साथ, परिवार के साथ, अपने सहयोगियों के साथ, स्कूल में, समाज में अपनी संस्कृति के साथ प्रभावशाली ढंग से समायोजन की योग्यता रखता है, किंतु परिपक्वता का तात्पर्य समायोजन की योग्यता की अभिवृत्ति ही नहीं है अपितु इस समायोजन की अभिवृत्ति के साथ प्रसन्न रखना भी है। क्योंकि सांवेगिक परिपक्वता व्यक्तित्व के निर्धारण का एकमात्र प्रभावी कारक है। जिससे व्यक्ति में निर्णय क्षमता की योग्यता समूह के साथ रहने की योग्यता, आनंद दायक अंतरव्यक्तिक संबंध ही नहीं स्थापित होते अपितु स्वयं का भी विकास होता है।

वाल्टर डी Smitsion (1974) के अनुसार भावात्मक परिपक्वता एक ऐसी प्रक्रिया है. जिसमें व्यक्ति आंतरिक शारीरिक और व्यक्तिगत रूप से भावात्मक स्वास्थ्य की बेहतर समझ के लिए लगातार प्रयास कर रहा होता है

Sears (1942) के अनुसार कुंठा व्यक्ति के उद्देश्य तक पहुंचने के बीच बाधा आने से उत्पन्न होती है। Glimmer (1066) के अनुसार कुंठा, व्यक्ति वह अवस्था है जब वह अभिप्रेरित व्यवहार को कर पाने में सफल नहीं होता, अर्थात उसका उद्देश्य बाधित हो जाता है। इस प्रकार कुंठा हमारे विकास में जन्म से मृत्यु के बीच प्रतिदिन उत्पन्न होने वाली भावना है जो अदृश्य होती है

व्यक्ति अपने जीवन की आवश्यकताओं की पूर्ति करके ही प्रसन्न होता है अतः प्रतिदिन नयी-नयी इच्छाओं की पूर्ति हेतु कुछ न कुछ उद्देश्य बनाता है सभी उद्देश्यों का पूर्ण होना संभव नहीं है अतः उसे निराशा अथवा कुंठा होती है। निरंतर हमारी न्यूनतम आवश्यकताओं की पूर्ति न होना हमारे समायोजन एवं मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। (Kuppaswamy (1969))। व्यक्ति का व्यवहार अनेक कारकों से प्रभावित होता है जिनमें सांवेगिक परिपक्वता एवं निराशा सहनशीलता दो महत्वपूर्ण कारक हैं। निराशा सहनशीलता के अध्ययन में wilde (2012) के अनुसार जो छात्र निराशा सहनशीलता में अधिक स्कोर किए उनकी शैक्षिक उपलब्धि उत्तम थी।

Bhutia (2014) की अनुसार छात्र/छात्राओं की कुंठा के स्तर में अंतर होता है। Dave (2013) के अध्ययन बताते हैं कि हायर सेकेंडरी के छात्र/छात्राओं में कुंठा के स्तर में कोई अंतर नहीं होता है।

Dragomir et Grecullesum (2011) ने अपराधी युवा सामान्य युवा के निराशा सहनशीलता के तुलनात्मक अध्ययन के बाद बताया कि । अपराधी युवाओं में निराशा सहनशीलता का स्तर सामान्य युवा की तुलना में निम्न था।

शिक्षा जीवन भर चलने वाली ऐसी प्रक्रिया है जिससे व्यक्ति का सर्वांगीण विकास होता है, शिक्षित व्यक्ति को अपनी आवश्यकताओं का ज्ञान, अपनी परिस्थिति के अनुसार होता है, शिक्षित व्यक्ति में ऐसी योग्यता अथवा दक्षता विकसित हो जाती है जिससे वह अपनी क्षमतानुसार अपने लक्ष्य निर्धारित करता है और उसको प्राप्त करने हेतु लगातार प्रयास करता रहता है।

वर्तमान परिपेक्ष्य प्रतिस्पर्धा का युग है, जहाँ हमारी शिक्षा पद्धति अपने प्राथमिक उद्देश्यों से भिन्न हमारे युवाओं में भारतीय संस्कृति और मूल्यों की स्थापना से परे, देश के विकास के लिए स्थापित कल-कारखानों में कार्य करने वाले उपयुक्त “मशीनी मानव” का निर्माण कर रही है, जो कि शिक्षा पद्धति के मूल उद्देश्यों से पूर्णतः विपरीत है। हमारे युवा संज्ञानात्मक भावनात्मक एवं संवेदनात्मक गुणों से रिक्त हैं, ऐसे युवाओं को सामाजिक जीवन से कोई सरोकार नहीं है। उनके जीवन में भावनाओं और संवेदनाओं के लिए कोई स्थान ही नहीं है।

हमारे युवा शिक्षा के नाम पर सूचनाओं को ग्रहण कर उसे याद कर रहे हैं और उच्च अंक हासिल करने के लक्ष्य को पूर्ण कर रहे हैं। और यदि इसमें सफल नहीं होते हैं तो उन्हें चिंता होती है, अवसाद होता है, मनोविकार जन्म लेते हैं। आवश्यकता इस बात की है कि हम उन्हें संवेगों के प्रति सजग करें उनमें सामाजिक सांवेगिक दक्षता विकसित करें। शिक्षा के पाठ्यक्रम में जीवन मूल्यों के अध्याय, प्रेम, अपनापन, सहानुभूति को भी शामिल करें इससे न केवल छात्र। छात्राओं का मानसिक स्वास्थ्य उत्तम होगा अपितु उनमें सांवेगिक परिपक्वता एवं निराशा को सहन करने की योग्यता भी विकसित होगी।

Gupta. D.L. (2023) ने वर्तमान शिक्षा प्रणाली की 3 H का गुणात्मक प्रभाव बताया H's-Head, Heart and Hand, उनके अनुसार, उपर्युक्त गुणात्मक प्रभाव छात्र/ छात्राओं को मशीन बना रहा है जिससे, समाज एवं राष्ट्र का नुकसान हो रहा है।

सांवेगिक योग्यता एवं निराशा सहनशीलता एक दूसरे से संबंधित है इस पर पूर्व में शोध हुए Dewhert (1991), & Meyer (1990), Kovice & Baatraens (1994), Gohm elal (2005), Marcus & Stevens (2005) 1

Omslein and sobel (1987), Dew Hur13 (1991) & Mayer (1990), Goleman (1995) & Baumeister et al. (1994), GQ Peake ci al. (2002), Ben Bernard (2004) Ellis & Bernard (2005), Grillath et al. (2005) Gohm.et. al. (2005)

सभी ने शोध के पश्चात बताया कि सांवेगिक योग्यता एवं निराशा सहनशीलता में संबंध होता है। सभी शोधो के परिणाम बताते हैं कि सांवेगिक योग्यता रखने वाले व्यक्ति में निराशा सहनशीलता का स्तर भी उच्च होता है क्योंकि ऐसे व्यक्ति विभिन्न परिस्थितियों का सामना करने हेतु कौशल रखते हैं, सुरक्षात्मक व्यवहार दिखाते हैं।

Gupta (2023) का अध्ययन भी यही बताता है कि सांवेगिक योग्यता वाले छात्रों में निराशा सहनशीलता का स्तर सांवेगिक अपरिपक्व व्यक्ति की अपेक्षा उच्च होता है। उनमें सफलता प्राप्ति की संभावनाएँ अन्य की अपेक्षा अधिक होती है। यद्यपि इस प्रतिस्पर्धा वाले युग में उनके समक्ष भी अनेकों चुनौतियों आती है तथापि वे संतुलित मन एवं संज्ञान से सफलतापूर्वक उनका सामना करते हुए अपने लक्ष्य तक पहुंच जाते हैं।

उनकी सफलता का एक कारण यह भी है कि जिनमें सांवेगिक योग्यता होती है वे स्थिति का प्रत्यक्षीकरण संवेगात्मक रूप से करते हैं अपने आवेगों की संतुलित करती हैं। यह योग्यता उनकी सफलता सुनिश्चित करती है।

अध्ययन की सार्थकता-

युवाओं की विकासात्मक प्रक्रिया में सांवेगिक परिपक्वता एवं निराशा सहनशीलता ऐसे दो महत्वपूर्ण कारक हैं जो न केवल उनके व्यक्तित्व को प्रभावित करते हैं अपितु उनके परिवार समाज एवं राष्ट्र को भी प्रभावित करते हैं। अध्ययन का उद्देश्य उपर्युक्त कारकों के बीच सह संबंध को जानना है तथा युवाओं की विकासात्मक प्रक्रिया में निर्मित होने वाले इन दोनों कारकों के नियंत्रण हेतु प्रयास करना है। जिससे युवाओं में बढ़ती आक्रामकता, हिंसा, आत्महत्या, कुंठा जै नकारात्मक गतिविधियों पर विराम लगाया जा सके।

उद्देश्य

SC, ST, OBC, General. समूह के छात्र और छात्राओं में सांवेगिक परिपक्वता तथा निराशा सहनशीलता का अध्ययन करना।

उप कल्पना-

- SC वर्ग के छात्र एवं छात्राओं के सांवेगिक परिपक्वता में कोई अंतर नहीं होता है।
- ST वर्ग के छात्र एवं छात्राओं के सांवेगिक परिपक्वता में कोई अंतर नहीं होता है।
- OBC वर्ग के छात्र एवं छात्राओं के सांवेगिक परिपक्वता में कोई अंतर नहीं होता है।
- General वर्ग के छात्र एवं छात्राओं के सांवेगिक परिपक्वता में कोई अंतर नहीं होता है।
- छात्र एवं छात्राओं के सांवेगिक परिपक्वता में कोई अंतर नहीं होता है।
- SC वर्ग के छात्र एवं छात्राओं के निराशा सहनशीलता में कोई अंतर नहीं होता है।
- ST वर्ग के छात्र एवं छात्राओं के निराशा सहनशीलता में कोई अंतर नहीं होता है।
- OBC वर्ग के छात्र एवं छात्राओं के निराशा सहनशीलता में कोई अंतर नहीं होता है।
- General वर्ग के छात्र एवं छात्राओं के निराशा सहनशीलता में कोई अंतर नहीं होता है।
- छात्र एवं छात्राओं की निराशा सहनशीलता में कोई अंतर नहीं होता है।
- छात्र और छात्राओं की सांवेगिक परिपक्वता और निराशा सहनशीलता के बीच कोई संबंध नहीं होता है।

प्रतिदर्श -

कोरबा जिले के विभिन्न स्कूलों के 40 छात्र और 40 छात्राओं का रैंडम चयन किया समूह में ST-20, SC-20, OBC-20, GENERAL-20 छात्र छात्राएं है। जिनकी आयु-15 से 17 वर्ष थी।

उपकरण -

सांवेगिक परिपक्वता मापनी -Dr. Yashvir Singh

Dr. Mahesh Bhargava

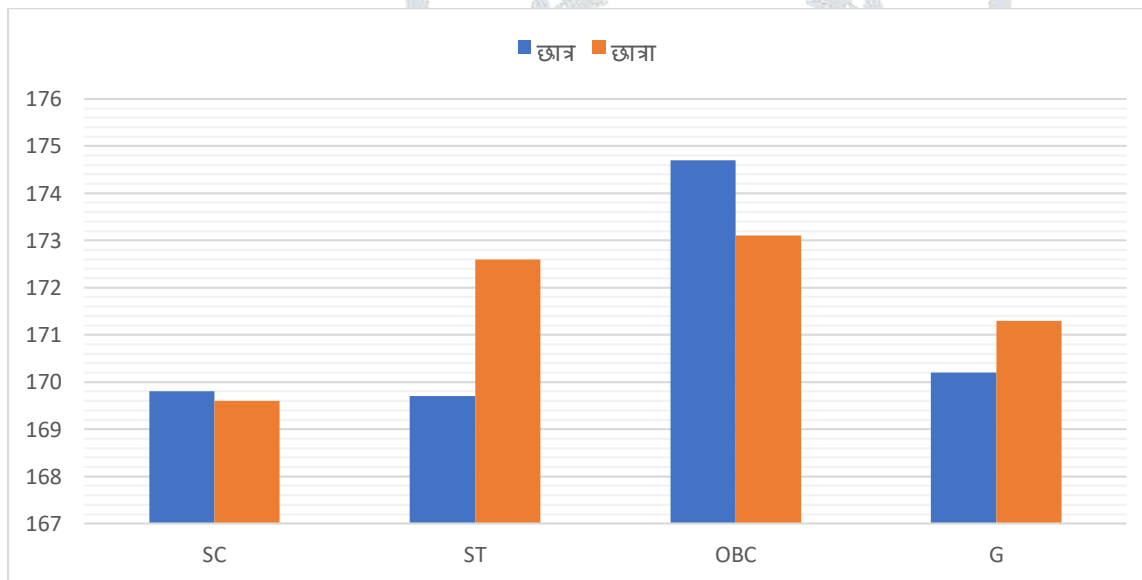
निराशा सहनशीलता-

Dr. S.N. Rai

Table-1**SC /ST /OBC /G समूह के छात्र छात्राओं के सांवेगिक परिपक्वता का मध्यमान**

	SC	ST	OBC	G
छात्र	169.80	169.70	174.70	170.20
छात्रा	169.6	172.60	173.10	171.30

SC/ST/OBC/G समूह के छात्र/ छात्राओं की सांवेगिक परिपक्वता का मध्यमान देखने पर ST छात्रों की सांवेगिक परिपक्वता का स्तर सबसे कम एवं OBC छात्रों की सांवेगिक परिपक्वता का स्तर सबसे अधिक है। इसी प्रकार छात्राओं में SC की सांवेगिक परिपक्वता सबसे कम एवं OBC छात्राओं की सांवेगिक परिपक्वता छात्राओं में सबसे अधिक है।

**Table-2****SC /ST /OBC /G समूह के छात्र छात्राओं की निराशा सहनशीलता का मध्यमान**

	SC	ST	OBC	G
छात्र	39.10	39.10	39.60	39.20
छात्रा	39.40	40.30	39.50	40.10

SC/ST/OBC/G समूह के छात्र/छात्राओं की निराशा सहनशीलता के मापन का मध्यमान देखने पर छात्रों में OBC छात्रों का स्तर सबसे उच्च एवं SC/ST का स्तर निम्न है इस प्रकार छात्राओं में ST छात्राओं में निराशा सहनशीलता का स्तर उच्च एवं SC छात्राओं में इसका स्तर निम्न है।

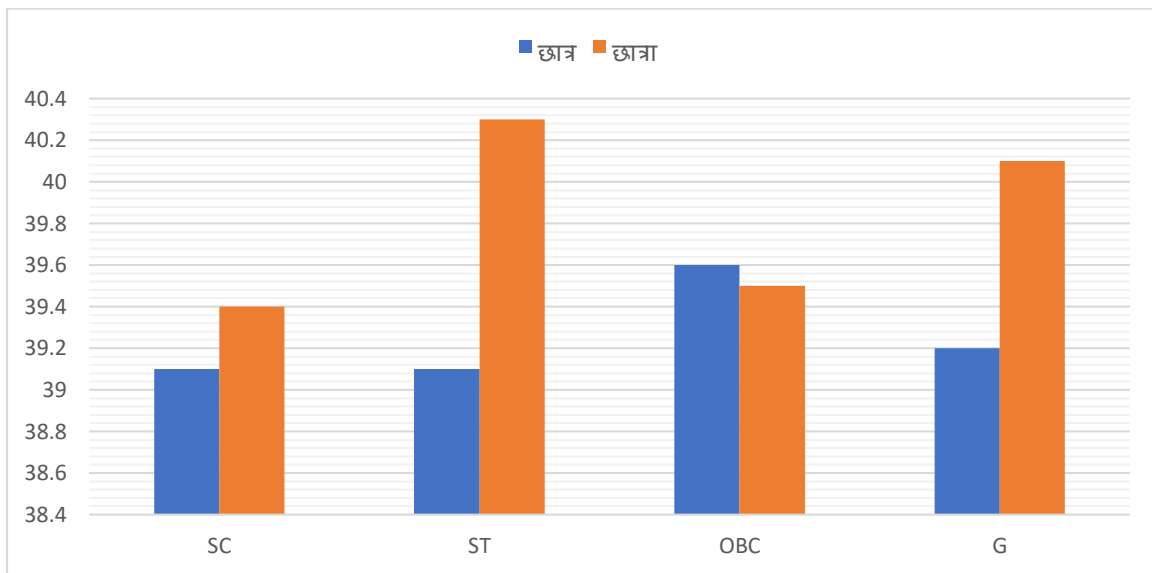


Table-3

SC समूह के छात्र छात्राओं के सांवेगिक परिपक्वता का t मध्यमान

Group	N	MEAN	SD	t	Level Of significant
छात्र	10	169.80	9.22	0.50	NS
छात्रा	10	169.60	11.79		

* शून्य परिकल्पना स्वीकृत हो गयी। SC समूह के छात्र छात्राओं की सांवेगिक परिपक्वता में कोई वास्तविक अंतर नहीं है।

Table-4

ST समूह के छात्र छात्राओं के सांवेगिक परिपक्वता का t मध्यमान

Group	N	MEAN	SD	t	Level Of significant
छात्र	10	169.70	12.09	0.55	NS
छात्रा	10	172.60	9.92		

* शून्य परिकल्पना स्वीकृत हो गयी। ST समूह के छात्र छात्राओं की सांवेगिक परिपक्वता में कोई वास्तविक अंतर नहीं है।

Table-5

OBC समूह के छात्र छात्राओं के सांवेगिक परिपक्वता का t मध्यमान

Group	N	MEAN	SD	t	Level Of significant
छात्र	10	174.70	15.50	0.19	NS
छात्रा	10	173.20	16.57		

* शून्य परिकल्पना स्वीकृत हो गयी। OBC समूह के छात्र छात्राओं की सांवेगिक परिपक्वता में कोई वास्तविक अंतर नहीं है।

Table-6

G समूह के छात्र छात्राओं के सांवेगिक परिपक्वता का t मध्यमान

Group	N	MEAN	SD	t	Level Of significant
छात्र	10	170.20	10.11	0.65	NS
छात्रा	10	171.30	11.30		

* शून्य परिकल्पना स्वीकृत हो गयी। G समूह के छात्र छात्राओं की सांवेगिक परिपक्वता में कोई वास्तविक अंतर नहीं है।

Table-7

SC समूह के छात्र छात्राओं के निराशा सहनशीलता का t मध्यमान

Group	N	MEAN	SD	t	Level Of significant
छात्र	10	39.10	3.54	1.0	NS
छात्रा	10	39.40	2.90		

* शून्य परिकल्पना स्वीकृत हो गयी। SC समूह के छात्र छात्राओं की निराशा सहनशीलता में कोई वास्तविक अंतर नहीं है।

Table-8

ST समूह के छात्र छात्राओं के निराशा सहनशीलता का t मध्यमान

Group	N	MEAN	SD	t	Level Of significant
छात्र	10	39.10	3.11	0.59	NS
छात्रा	10	40.30	3.37		

* शून्य परिकल्पना स्वीकृत हो गयी। ST समूह के छात्र छात्राओं की निराशा सहनशीलता में कोई वास्तविक अंतर नहीं है।

Table-9

OBC समूह के छात्र छात्राओं के निराशा सहनशीलता का t मध्यमान

Group	N	MEAN	SD	t	Level Of significant
छात्र	10	39.60	3.29	0.38	NS
छात्रा	10	39.50	3.26		

* शून्य परिकल्पना स्वीकृत हो गयी। OBC समूह के छात्र छात्राओं की निराशा सहनशीलता में कोई वास्तविक अंतर नहीं है।

Table-10

G समूह के छात्र छात्राओं के निराशा सहनशीलता का t मध्यमान

Group	N	MEAN	SD	t	Level Of significant
छात्र	10	39.20	2.68	0.62	NS
छात्रा	10	40.10	3.34		

* शून्य परिकल्पना स्वीकृत हो गयी। G समूह के छात्र छात्राओं की निराशा सहनशीलता में कोई वास्तविक अंतर नहीं है।

Table-11

छात्र छात्राओं की सांवेगिक परिपक्वता और निराशा सहनशीलता के बीच सह संबंध

Group	N	MEAN	Correlation 'r'	Level Of significant
छात्र	40	210.35	0.03	0.01Significant
छात्रा	40	211.47		

* छात्र छात्राओं की सांवेगिक परिपक्वता और निराशा सहनशीलता के बीच सह संबंध होता है।

Table-12

प्रसारण विश्लेषण प्रविधि द्वारा SC, ST, OBC छात्र छात्राओं सांवेगिक परिपक्वता और निराशा सहनशीलता के मध्यमानों के बीच अंतर की सार्थकता

SOURCE	SUM OF SQUARES	DF	MEANS SQUARES OF VARIANCE	F	Level of significance
SSA	152331.2	1	152331.2	388.01	<.01
SSB	689.12	2	344.56	2.01	NS
SSC	68.901	1	68.90	0.45	NS
AxB	59.20	2	29.60	0.19	NS
AxC	0.75	1	0.75	0.06	NS
BxC	20.13	2	10.06	0.12	NS
AxBxC	676.71	2	338.35	1.01	NS
BSS	114326.97	11	10393.36	37.11	<.01
WSS	177192.70	119	1489.01		
TSS	291518.70	130	2242.45		

निष्कर्ष-

- SC वर्ग के छात्र एवं छात्राओं के सांवेगिक परिपक्वता में कोई अंतर नहीं होता है।
- ST वर्ग के छात्र एवं छात्राओं के सांवेगिक परिपक्वता में कोई अंतर नहीं होता है।
- OBC वर्ग के छात्र एवं छात्राओं के सांवेगिक परिपक्वता में कोई अंतर नहीं होता है।
- General वर्ग के छात्र एवं छात्राओं के सांवेगिक परिपक्वता में कोई अंतर नहीं होता है।
- छात्र एवं छात्राओं के सांवेगिक परिपक्वता में कोई अंतर नहीं होता है।
- SC वर्ग के छात्र एवं छात्राओं के निराशा सहनशीलता में कोई अंतर नहीं होता है।
- ST वर्ग के छात्र एवं छात्राओं के निराशा सहनशीलता में कोई अंतर नहीं होता है।
- OBC वर्ग के छात्र एवं छात्राओं के निराशा सहनशीलता में कोई अंतर नहीं होता है।
- General वर्ग के छात्र एवं छात्राओं के निराशा सहनशीलता में कोई अंतर नहीं होता है।
- छात्र एवं छात्राओं के निराशा सहनशीलता में कोई अंतर नहीं होता है।
- छात्र और छात्राओं की सांवेगिक परिपक्वता और निराशा सहनशीलता के बीच सह संबंध होता है।

References: -

- Carson, K. D., Carson, P. P., & Birkenmeier, B. J., (2000), Measuring emotional intelligence: Development and validation of an instrument. *The Journal of Behavioral and Applied Management*, 2(1), 32-44.
- Caruso, D.R., & Salovey, P., (2004). *The emotionally intelligent manager: How to develop and use the four key emotional skills of leadership*. San Francisco: Jossey-Bass.
- Caruso, D.R., (2004). Defining the inkblot called emotional intelligence. *Issues in Emotional Intelligence* [on-line serial], / (1), www.ciconsortium.org.
- Caruso, D.R., Mayer, J.D., & Salovey, P., (2002). Relation of an ability measure of emotional intelligence to personality. *Journal of Personality Assessment*, 79, 306-320.
- Cherniss, C., & Goleman, D. (Eds.). (2001). *The emotionally intelligent workplace: How to select for, measure, and improve emotional intelligence in individuals, groups, and organizations*. San Francisco: Jossey-Bass.
- Chemiss, C., (2000), Emotional Intelligence: What it is and why it matters. Paper presented at the Annual Meeting of the Society for Industrial and Organizational Psychology, New Orleans, LA.
- Churchill, J., (2004). What is Intelligence-EQ or 10 Rising to the next level by managing and increasing your emotional budget. Pilgrims Ltd.
- Ciarrochi, J., Chan, A., & Caputi, P. (2000). A critical evaluation of the emotional intelligence construct. *Personality and Individual Differences*, 28, 539-561,
- Ciarrochi, J., Chan, A., Caputi, P., & Roberts, R. (2001). Measuring emotional intelligence. In Ciarrochi, Forgas, & Mayer (Eds.), *Emotional Intelligence in everyday life: A scientific inquiry*, Philadelphia, PA: Psychology Press.
- Cooper, R. K., & Sawaf, A., (2004). *Executive EQ: Emotional intelligence in leadership and organizations*. New York: Berkley Publishing Group, 1998.
- Cooper, R. K. (1997). Applying emotional intelligence in the workplace. *Training and Development*, 51(12), 31-38.
- Creighton, J.E. (1921). Reason and feeling. *The Philosophical Review*, Vol. 30, NO. 5, pp. 465- 481.
- Daus, C.S., & Ashkanasy, N. M. (2004), Will the real emotional intelligence please stand up? On deconstructing the emotional intelligence 'debate'. *The Industrial-Organizational Psychologist*, 41(2), 69-72
- Davies, M., Stankov, L., & Roberts, R. D. (1998), Emotional intelligence: In search of an elusive construct. *Journal of Personality and Social Psychology*, 75, 989-1015.
- Gupta, D.L. (2008). A study of emotional intelligence in relation to logical thinking, frustration tolerance and academic success of class ix students, Ph.D. Thesis, Banaras Hindu University

- Gupta, D. M. (2023). Impact of emotional intelligence and frustration tolerance in life of the adolescents. *Educational Metamorphosis*, 2(1), 38-44.
- Goleman, D. (1995). *Emotional intelligence*. New York: Bantam Books
- Kuppuswamy, B. (1969). *Advanced education psychology*, University Publishers.
- Maslow, A.H. and Murphy, G. (1954). "Motivation and personality", Harper International, New York, U.S.A.
- Mayer, J.D., DiPaolo, M.T. and Salovey, P. (1990). Perceiving affective content in ambiguous visual stimuli: A component of emotional intelligence. *J. Personality Assessment*, 54:772-781.
- Sears, R.R. (1942). Frustration and aggression. *Encyclopedia of Psychology*, New York, U.S.A
- Sobha, B.C. (2006). The emotional intelligence and frustration tolerance of adolescents. *Internat. Educators*, 18(2): 39- 41.
- Thorndike, E.L. (1920). Intelligence and its use. *Harper's Magazine*, 140, 227-235.
- Vishal J. Dave (2013). Construction and tryouts of frustration inventory for the students of secondary schools, *Shodh, Samiksha aur Mulyankan*, Vol-V, Issue 49
- Wechsler, D. (1958). *The measurement and appraisal of adult intelligence (4th Ed.)*. Baltimore: Williams & Wilkins.
- Wilde, J. (2012). The relationship between frustration intolerance and academic achievement in college. *Internat. J. Higher Education*, 1(2): 1-8. Retrieved from <http://dx.doi.org/10.5430/ijhe.v1n2p1>
- Yodida Bhutia and Bhalang Sungoh (2014). Adolescents of Shillong: Their Reactions to Frustration. *Internat. J. Education & Psychological Res. (IJEPR)*, 3 (1): 54-58.
- Zeidner, M., Matthews, G. and Roberts, R.D. (2009). *What we know about emotional intelligence: How it affects learning, work, relationships, and our mental health*. Cambridge, MA: MIT Press.

